

CHAPTER-X

अपूर्व अनुभव

2 MARK QUESTIONS

1. यासूकी – चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोत्तो- चान ने अथक प्रयास क्यों किया? लिखिए।

52/102

उत्तर:

तोत्तो- चान ने यासूकी – चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए अथक प्रयास इसलिए किया क्योंकि वह यासूकी – चान का प्रिय मित्र था। वह पोलियोग्रस्त थी इसलिए वह पेड़ पर नहीं चढ़ सकती थी। जापान में उस समय हर बच्चे के पास चढ़ने के लिए अपना एक पेड़ होता था। लेकिन यासूकी – चान को पोलियो हो गया था इसलिए उसके पास अपना कोई पेड़ नहीं था। इसलिए तोत्तो – चान ने यासूकी – चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया था।

2. 'यासूकी – चान के पास पेड़ पर चढ़ने का यह.....अंतिम मौका था' लेखिका ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर:

'यासूकी के पास पेड़ पर चढ़ने के लिए यह अंतिम और आखिरी मौका होगा'। यासूकी – चान पोलियो ग्रस्त थी और उसका दोस्त उसे पेड़ पर चढ़ाने के लिए अथक प्रयास करता है। तोत्तो – चान उसके बार-बार असफल होने पर वह उसे बड़ी से छिपाकर पेड़ पर चढ़ाने का प्रयास करता है इसलिए लेखिका कहती हैं कि उसके पास यह अंतिम और आखिरी मौका है।

3. तोत्तो – चान ने अपनी योजना को बड़ो से इसलिए छिपा लिया क्योंकि यह जोखिम था, यासुकी – चान के गिरने की संभावना थी फिर भी यासुकी – चान की पेड़ पर चढ़ने की दृढ़ इच्छा थी। ऐसी दृढ़ इच्छाएं बुद्धि और कड़ी मेहनत से पूरी हो जाती हैं। आप किस तरह सफलता के लिए तीव्र इच्छा और बुद्धि का प्रयोग करके कठिन परिश्रम करना चाहते हो?

उत्तर:

मैं उस कार्य कि तीव्र इच्छा और बुद्धि का प्रयोग करके कठिन परिश्रम करना चाहते हूँ जिससे दूसरो को खुशी मिले और उनकी मदद हो सके और खुद को आत्म संतुष्टि मिले।

4. हम अक्सर बड़े – बड़े कारनामों के बारे में सुनते रहते हैं लेकिन ' अपूर्व अनुभव ' कहानी एक मामूली जोखिम और बहादुरी की और हमारा ध्यान खींचती है। यदि आपको अपने आस पास के संसार में कोई रोमांचकारी अनुभव करना हो तो आप क्या करोगे?

उत्तर:

अगर मुझे अपने आसपास कोई रोमांचकारी अनुभव करने का अवसर प्राप्त होगा तो मैं पहाड़ो पर माउंटेन क्लाइम्बिंग करना चाहूंगा।

5 MARK QUESTIONS

1. दृढ़ – निश्चय और सफलता प्राप्त करने के बाद तोत्तो – चान और यासूकि – चान को अपूर्व अनुभव प्राप्त हुआ। दोनों के अनुभव बहुत अलग हैं। दोनों में क्या अंतर है? लिखिए।

उत्तर:

तोत्तो – चान का पेड़ अपना था इसलिए वह उसपर बहुत बार चढ़ चुका था। लेकिन उसकी दोस्त पोलियो ग्रस्त थी इसलिए उसे अपनी दोस्त को द्विशाखा पर पहुंचाने पर बहुत खुशी मिलती है। चूँकि यासूकि – चान के पास अपनी बीमारी की वजह से अपना कोई पेड़ नहीं था। इसलिए उन्हें इससे बहुत खुशी मिली और उनके लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था।

2. पाठ में खोजकर देखिए – कब सूरज का ताप यासूकि – चान और तोत्तो – चान पर कब पड़ रहा था वह दोनों पसीने में तरबतर हो रहे थे और कब एक बादल का टुकड़ा उन्हें छाया देकर बचाने लगा था। आपके अनुसार इस परिस्थिति को बदलने का क्या कारण है?

उत्तर:

यासूकि – चान ने जब पहली सीढ़ी की सहायता से पेड़ पर चढ़ने का प्रयास किया तो वह प्रयास व्यर्थ हो गया। उसके बाद तोत्तो – चान तिपाई सीढ़ी खींच कर लाए और तोत्तो – चान यासूकि – चान को पेड़ पर चढ़ाने का अथक प्रयास करते हैं। उस समय तेज धूप होने के कारण दोनों पसीने में तरबतर हो गए और इसी समय एक बादल का टुकड़ा आकर उन्हें कड़कती धूप से बचाकर छाया देता है। उस समय उन दोनों की मदद करने के लिए कोई नहीं था इसलिए प्रकृति खुद उनकी मदद करने आई थी।